भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय
(खेल विभाग)
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1658
उत्तर देने की तारीख 10 मार्च, 2025
19 फाल्गुन, 1946 (शक)

खेलों में महिला-पुरुष के वेतन में अंतर

†1658. श्रीमती कनिमोझी करुणानिधि:

क्या युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को भारतीय खेलों में महिला-पुरुष के वेतन में अंतर के बारे में जानकारी है और यदि हां, तो महिलाओं और पुरुषों द्वारा खेलवार प्राप्त किए जा रहे औसत वेतन का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने महिला खिलाड़ियों के लिए संसाधनों और अवसंरचना का समान आवंटन सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) महिला खेल प्रतिस्पर्धाओं के लिए मीडिया के प्रतिनिधित्व और प्रायोजन की कमी को दूर करने के लिए क्या उपाय कार्यान्वित किए जा रहे हैं; और

(घ) क्या सरकार की देश में महिला-पुरुष वेतन अंतर को कम करने और महिला खिलाड़ियों के लिए अवसरों में वृद्धि करने के लिए विशिष्ट विधायी या नीतिगत परिवर्तन करने की योजना है?

उत्तर
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री
(डॉ. मनसुख मांडविया)

(क) से (घ) : सरकार ने समान पारिश्रमिक अधिनियम, 1976 लागू किया है, जो बिना किसी भेदभाव के समान कार्य या समान प्रकृति के कार्य के लिए पुरुषों और महिलाओं को समान पारिश्रमिक के भुगतान का प्रावधान करता है। साथ ही, 'खेल' राज्य का विषय होने के कारण देश में खेलों के विकास और प्रोत्साहन की जिम्मेदारी मुख्य रूप से राज्य/संघ राज्य क्षेत्र की सरकारों की है तथा केंद्र सरकार केवल उनके प्रयासों में सहायता करती है। तथापि, सरकार देश भर में विभिन्न खेल प्रोत्साहन स्कीमें कार्यान्वित कर रही है, जो जेन्डर न्यूट्रल हैं और पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए हैं। इन स्कीमों में निम्नलिखित शामिल हैं : (i) खेलो इंडिया- राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम; (ii) राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता; (iii) अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धा के विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार; (iv) राष्ट्रीय खेल पुरस्कार; (v) मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन; (vi) पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय खेल कल्याण स्कीम; (vii) राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ); और (viii)

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के माध्यम से खेल प्रशिक्षण केंद्रों का संचालन । इन स्कीमों का विवरण मंत्रालय के डैशबोर्ड https://yas.nic.in/ पर पब्लिक डोमेन में उपलब्ध है।

खेलो इंडिया स्कीम के तहत “महिलाओं के लिए खेल” का एक समर्पित उप-घटक है। इस घटक के तहत, खेलो इंडिया अस्मिता (अचिविंग स्पोटर्स माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वूमन थ्रू एक्शन)) महिला लीग आयोजित की जा रही है, जिसका सोशल मीडिया सहित व्यापक प्रचार किया जाता है। इसके अलावा, राष्ट्रीय खेल विकास निधि में कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के तहत प्राप्त धनराशि का उपयोग महिलाओं सहित सभी खिलाड़ियों के लिए खेलों के विकास के लिए व्यापक गतिविधियों के लिए किया जाता है।

****